

भारतीय जीवन बीमा निगम

इलेक्ट्रॉनिक समशोधन सेवा (ई.सी.एस.) द्वारा प्रीमियम भरने के लिये आदेश पत्र

पृष्ठ - 1

परिपत्र अ : ई.सी.एस. आदेश पत्र.

(भा.जी.बी.नि. शाखा कार्यालय में प्रस्तुत करने हेतु.)

आवश्यक सुचना : परिपत्र भरने से पहले कृपया पृष्ठ संख्या 3 पर दिए निर्देश एवं नियम अवश्य पढ़ ले.

ई.सी.एस. द्वारा प्रीमियम भरने के लिये LIC का प्रयोक्ता कोड (User Code) 4009056 है.

1. (अ) पॉलिसी धारक/कों का/के नाम : _____
 (ब) पॉलिसियों की जानकारी.

क्र.	प्रपोजल/पॉलिसी सं.	बीमाधारक का नाम	विधि	प्रीमियम राशी

(क) टेलिफोन नं. निवास : _____ कार्यालय : _____ मोबाईल : _____
 ई-मेल आई. डी. : _____

2. बैंक खाते के विषय में जानकारी (जिसके द्वारा प्रीमियम भरा जाएगा) :

(अ) बैंक का नाम : _____
 (ब) शाखा का नाम व पता : _____
 (स) खाताधारक का नाम : _____
 (ड) खाता टाईप (सेविंग-10; करंट-11; कैश क्रेडिट-13) : _____
 (ई) एकाउंट संख्या (जिस प्रकार बैंक पुस्तिका में दर्शित है) : _____
 (फ) 9 अंको की MICR कोड संख्या :

3. (1) मैं/हम इस आदेश पत्र के मेरे/हमारे प्रपोजल के पूर्ण भाग होने को स्वीकार करता/करते हूँ/हैं ।

(2) यदि भविष्य में मेरा/हमारा बैंक खाता उस शहर में स्थानांतरित होता है जहाँ ई.सी.एस. सुविधा नहीं है, तो मैं/हम भुगतान विधि में बदलाव, जिसमें प्रीमियम राशी में बदलाव हो सकता है, की स्वीकृति देता हूँ/देते हैं ।

(3) मैं/हम अपने बैंक को निर्देश देते हैं कि मेरे/हमारे खाते में से प्रीमियम राशि रु. _____ अथवा LIC द्वारा डिमांड इनवाइस में दर्शाई राशि डेबिट कर LIC को दी जाए.

मैं/हम यह घोषित करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त वर्णन यथोत्थय एवं संपूर्ण है । मैं/हम जो कि उपरोक्त पॉलिसी/सियों के धारक हूँ/हैं, भारतीय रिजर्व बैंक के राष्ट्रीय समशोधन प्रकोष्ठ की ई.सी.एस. सुविधा में सहभागी होकर प्रीमियम राशि भेजने के लिए अपनी सम्मति देता हूँ/देते हैं । और भारतीय जीवन बीमा निगम को अधिकृत करते हैं कि उपरोक्त प्रीमियम के लिए मेरे/हमारे खाते में डेबिट अनुरोध भेजा जाए । यदि कोई भुगतान गलत या अपूर्ण सुचना अथवा खाते में पर्याप्त राशि न होने, खाते के बंद होने आदि की स्थिति में असफल या विलंबित होता है तो मैं प्रयोक्त संस्था को उत्तरदायी नहीं ठहराउंगा । मुझे ज्ञात है कि अधिकृत करने के पश्चात प्रथम ट्रांसेक्शन कि प्रक्रिया में एक माह तक समय लग सकता है । मुझे यह भी ज्ञात है कि मैं इस विधि द्वारा केवल उन निकट संबंधियों के निमित्त प्रीमियम भर सकता हूँ जो आयकर अधिनियम 1961 द्वारा निर्धारित है । मैं/हम ई.सी.एस. के नियम एवं शर्तोंको पढ़ व समझ चुके हैं व वे हमें स्वीकार हैं ।

स्थान : _____ दिनांक : _____ बीमाधारक के हस्ताक्षर खाताधारक के हस्ताक्षर (यदि खाताधारक व बीमाधारक भिन्न हैं)

1. हम यह प्रमाणित करते हैं कि हमारे रिकार्ड के अनुसार बैंक खाते की उपरोक्त विवरण ठीक है व खाता सक्रिय है ।
 2. हमें ई.सी.एस. मैसेज प्राप्त हुआ है व मैसेज में दिए गए निर्देशों के कार्यावयन के लिए नोट करते हैं ।

दिनांक :

बैंक अधिकारी के हस्ताक्षर एवं बैंक की मुहर

**परिपत्र ब : LIC शाखा कार्यालय द्वारा ई.सी.एस. आदेश पत्र प्राप्ति की सूचना
(ई.सी.एस. आदेश पत्र प्राप्त करने के बाद बीमा धारक को दिया जाना है।)**

श्री/श्रीमति ----- द्वारा दि. ----- को आदेश पत्र प्राप्त किया जिसमें निम्न विवरण है ।

पॉलिसी संख्या	बीमा किश्त
1. _____	_____
2. _____	_____
3. _____	_____
4. _____	_____
5. _____	_____
6. नई पॉलिसी : प्रपोजल सं. _____ दिनांक : _____	

बैंक विवरण :

1. बैंक का नाम : -----
 2. खाता धारक का/के नाम : -----
 3. खाता प्रकार : -----
 4. खाता संख्या (जिस प्रकार चेक बुक में दर्शित है।) -----
 5. 9 अंको की MICR संख्या : -----

----- के द्वारा प्राप्त एवं सत्यापित. शाखा : ----- दिनांक : -----

**परिपत्र क : बैंक के लिए प्राधिकरण
(बैंक द्वारा रखने के लिए)**

प्रबंधक,

बैंक का नाम : -----

बैंक का पता : -----

खाता संख्या : -----

महोदय,

मैं/हम यह सूचित करना चाहता हूँ/चाहते हैं कि मैंने/हमने अपनी नई/विद्यमान पॉलिसी/सियों के LIC को प्रिमियम भुगतान करने के लिए ई.सी.एस. सुविधा प्रयोक्ता कोड 4009056 के अंतर्गत रजिस्टर किया है । मैं/हम बैंक को अपने उपरोक्त खाते को डेबिट कर RBI की ईलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा द्वारा प्राप्त सभी अनुदेशोंका ऑनर करने के लिए अधिकृत करता हूँ/ करते हैं ।

पॉलिसी संख्या	प्रिमियम राशि	पॉलिसी संख्या	प्रिमियम राशि	पॉलिसी संख्या	प्रिमियम राशि

(अधिक पॉलिसियाँ होने पर अलग सूची जोड सकते हैं ।)

खाता धारक/कों के हस्ताक्षर : -----

दिनांक : -----

स्थान : -----

ECS मॉडेट फॉर्म भरने के लिये निर्देश एवं स्पष्टीकरण

क्र.सं.	कॉलम सं.	निर्देश
1	1 अ	पॉलिसी धारक/कों का/के नाम.
2	1 ब	1 यदि विद्यमान पॉलिसियों की संख्या 5 से ज्यादा हो तो अन्य पॉलिसियों का विवरण भिन्न शीट पर संलग्न कर देना चाहिए जो कि बीमाधारक एवं खाताधारक द्वारा हस्ताक्षरित हो. 2 पॉलिसी संख्या बीमाधारक का नाम, देय विधि (वार्षिक, अर्धवार्षिक, त्रैमासिक, मासिक) एवं सही बीम किशत संबंधित कॉलम में लिखना है. 3 नई पॉलिसी के लिए, यदि उपलब्ध हो तो प्रपोजल संख्या दुसरे कॉलम में लिखनी है.
3	1 स	फोन नंबर एवं ई-मेल एड्रेस, यदि उपलब्ध हो तो.
4	2 अ	बैंक का नाम उदाहरण के लिए "भारतीय स्टेट बैंक".
5	2 ब	बैंक का नाम व पता जिस प्रकार चैक बुक पर दिया गया हो, यदि उपलब्ध हो तो बैंक के फोन नं. के साथ.
6	2 स	खाताधारक का नाम जैसे चैक बुक अथवा पासबुक में उल्लिखित हो. यदि खाता संयुक्त नाम में है तो सभी खाताधारकोंके नाम दिए जाने चाहिए. एक निरस्त चैक अथवा चैक की फोटोकॉपी संलग्न की जानी चाहिए.
7	2 ड	खाता टाइप का कोड देना है. ये कोड इस प्रकार है. बचत खाता - 10, चालू खाता - 11, ओवर ड्राफ्ट - 13.
8	2 ई	पूरी एवं सही खाता संख्या देनी है. खाता संख्या के अंकों की संख्या अधिकतम 15 है. यदि यह संख्या 15 से ज्यादा है तो अपने बैंक से संपर्क कर ECS के लिए 15 अंकों की सही संख्या ज्ञात करनी चाहिए. उदाहरण. पंजाब नेशनल बैंक के अनुसार उनके 16 अंकों की खाता संख्या से बाएँ से पाँचवी संख्या को हटा देना है.
9	2 फ	MICR संख्या 9 अंकों की संख्या है जो चैक के अधोभाग पर दर्शित होती है. इस संख्या के प्रथम व अंतिम 3 अंक '000' नहीं होने चाहिए. "एट पार" खाता प्रकार के लिए सही MICR संख्या चैक बुक के प्रथम पृष्ठ पर दर्शित होती है.
10		मॉडेट फॉर्म बीमाधारक/कों एवं खाताधारक/कों द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए.
11		मॉडेट फॉर्म की एक प्रतिलिपि बैंक में भी अवश्य जमा करानी चाहिए.

ई.सी.एस. सुविधा के नियम एवं शर्तें

- यह सुविधा नई पॉलिसियों के लिए NB अवस्था में एवं विद्यमान पॉलिसियों के लिए PS अवस्था में उपलब्ध है ।
- NB अवस्था में सभी विधि में ECS सुविधा उपलब्ध है , ECS मासिक में 5% अतिरिक्त प्रीमियम देय नहि है ।
- ULIP योजना के अंतर्गत केवल NB अवस्था में ECS विधि का विकल्प दिया जा सकता है।
- ECS सुविधा का विकल्प देते समय, उस समय तक देय सभी प्रीमियम का भुगतान किया जाना आवश्यक है। ECS द्वारा बकाया किशतें नहीं भरी जा सकती।
- ECS सुविधा प्राप्त करने के लिए किसी भी LIC शाखा कार्यालय में, कम से कम एक पॉलिसी सर्विस की जाती हो, मॉडेट फॉर्म जमा किया जा सकता है । यदि आपका बैंक खाता किसी भी ऐसे स्थान पर है, जहाँ LIC की ECS सेवा चालू है, तो आप ECS सुविधा का लाभ उठा सकते हैं ।
- ECS मॉडेट फॉर्म का बैंक द्वारा सत्यापित होना व एक प्रतिलिपि उनके पास उनके रिकार्ड हेतु जमा करा आवश्यक है ।
- मान्य डेबिट तिथियाँ केवल 7, 15 एवं 28 हैं। (दोनों NB एवं PS अवस्था में) ये तिथियाँ पॉलिसी चालू होने की तिथि के अनुसार स्वतः ही निम्न प्रकार से परिकल्पित होती हैं : पॉलिसी की चालू होने की तिथि यदि 1 से 7 के बीच है तो डेबिट डेट उस माह 7 तिथि होगी, यदि 8 से 15 के बीच है तो उस माह की 15 तारीख एवं यदि 16 से 31 के बीच है तो उस माह की 28 तारीख ।
- वर्तमान में डेबिट डेट चुनने की सुविधा नहीं है एवं ECS विधि के अंतर्गत किशत जमा कराने के लिए पुर्ण रियायत अवधि (ग्रेस पीरियड) उपलब्ध नहीं होगी ।
- ECS विधि की पॉलिसी का प्रीमियम शाखा कार्यालय के कैश काउंटर या अन्य विधियों द्वारा नहीं भरा जा सकेगा । केवल ECS डिसेंनर होने पर शाखा कार्यालय में जमा किया जा सकता है ।
- बीमाधारक के लिए आवश्यक है कि वह डेबिट डेट पर अपने खाते में पर्याप्त राशि शेष रखें । मॉडेट के डिसेंनर होने पर पॉलिसीधारक को प्रीमियम किसी भी LIC शाखा कार्यालय के कैश काउंटर पर डिसेंनर शुल्क (यदि देय है) एवं विलम्ब शुल्क (यदि देय है) के साथ जमा करना होगा ।
- डिसेंनर किशत को जमा कराते समय, उस माह तक देय सभी किशतें (डेबिट डेट का ध्यान किए बिना) अनिवार्य रूप से जमा की जानी होगी । यदि अगले माह की देय तिथि भी 15 दिन के अन्दर है तो वह किशत भी जमा करनी होगी ।
- बैंक विवरण बदलने के लिए निवेदन सर्विसिंग शाखा में देना होगा, जिस पर ऊपर स्पष्ट रूप से "बैंक विवरण बदलने के लिए निवेदन" लिखा होना चाहिए ।
- यदि LIC के रिकार्ड में बैंक विवरण मॉडेट फॉर्म में दिए गए विवरण के अनुसार है तो, LIC मॉडेट डिसेंनर के लिए उत्तरदायी नहीं होगा । डिसेंनर सम्बन्धी कोई भी विवाद पॉलिसीधारक को बैंक के समक्ष ही प्रस्तुत करना होगा ।
- यदि पॉलिसी को ECS विधि द्वारा रजिस्टर किया है कृपया दुहरे पेमेंट से बचने के लिए किसी अन्य विधि द्वारा प्रीमियम न भरे ।
- मासिक ECS विधि से रजिस्टर्ड पॉलिसियों के लिए भुगतान सूचना एवं प्रीमियम रसीद नहीं भेजी जाएगी । शाखा द्वारा मार्च/अप्रैल माह में वार्षिक प्रमाण पत्र भेजा जाएगा । LIC की वेबसाईट www.licindia.in द्वारा पॉलिसी एनरोल कर प्रीमियम पेमेंट सर्टिफिकेट प्राप्त किया जा सकता है ।
- अन्य विधियों (Y1y,H1y,Q1y) के लिए साधारण डाक द्वारा शाखा के पॉलिसी रिकार्ड में उपलब्ध पते पर रसीद भेजी जाएगी । रसीद मिलने में 7 से 15 दिन का समय लग सकता है । यदि किसी वजह से रसीद प्राप्त नहीं होती है तो किसी भी LIC शाखा द्वारा अथवा LIC वेबसाईट से प्रीमियम पेमेंट प्रमाणपत्र प्राप्त किया जा सकता है ।
- कभी यह संभव है कि किसी तकनिकि अथवा अन्य कारणों कि वजह से प्रीमियम डेबिट तिथि पर न डेबिट हो व इसमें कुछ समय का विलम्ब हो जाए । डिसेंनर से बचने के लिए अपने खाते में पर्याप्त राशि डेबिट डेट के 7 दिन बाद तक रखनी चाहिए ।
- यदि RBI द्वारा "बैन" निर्देश की वजह से आपका बैंक ECS के क्लियरिंग ऑपरेशन में भाग नहीं ले पाता है तो LIC द्वारा ECS इवॉयंस नहीं भेजी जाएगी । ऐसी स्थिति में प्रीमियम का भुगतान स्वयं किसी अन्य विधि द्वारा करना होगा ।
- यदि आपका एकाउंट कोड 15 अंकों से कम है तो संभव है कि यह आपके बैंक के 'कोर बैंकिंग सिस्टम' में परिवर्तन के पश्चात बदल चुका हो अथवा बदल जाए । कृपया अपने बैंक से निश्चित करने के बाद सही एवं परिवर्तित एकाउंट कोड ही दें ।
- शाखा कार्यालय द्वारा प्राप्त ECS के प्राप्ति सूचना पत्र को भली प्रकार जाँच लें व कोई भी अंतर अथवा अशुद्धी ध्यान में आने पर शाखा कार्यालय को सूचित करें ।